

# डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म, 1 और 2 सैमुअल, सत्र 17, 2 सैमुअल 1-3

© 2024 रॉबर्ट चिशोल्म और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह 2 सैमुअल 1-3 पर सत्र 17 है। इसे गथ, अध्याय 1 में न बताएं, सिंहासन का मार्ग रक्त से प्रशस्त है, अध्याय 2 और 3।

शमूएल की पुस्तकों के हमारे अध्ययन में, अब हम 2 शमूएल शुरू करने के लिए तैयार हैं और इस पाठ में, हम अध्याय 1, 2, और 3 देखेंगे। 2 शमूएल अध्याय 1 शाऊल की मृत्यु के बाद की कहानी है। शाऊल और उसके बेटे युद्ध में मारे गए, 1 शमूएल 31 गिल्बोआ की लड़ाई में।

पलिशितियों ने इस्राएल को हरा दिया, जो राष्ट्र के लिए अपमानजनक हार थी। और 2 शमूएल 1 में डेविड इस बारे में पता लगाने जा रहा है और हम उसकी प्रतिक्रिया देखने जा रहे हैं। और मैंने 2 शमूएल 1 शीर्षक दिया है, इसे गलती में मत बताओ, क्योंकि यह कुछ ऐसा है जो डेविड कहता है।

इस खबर को प्रसारित नहीं किया जाना चाहिए।' इजराइल की बड़ी हार. और फिर हम 2 शमूएल 2 और 3 में परिवर्तन करेंगे और वास्तव में वह पूरा खंड, अध्याय 2, 3, 4, और 5 में, हम डेविड को इजराइल के सिंहासन पर चढ़ते हुए देखेंगे।

सबसे पहले, वह दक्षिण में यहूदा में, हेब्रोन में राजा बनने जा रहा है, और फिर हेब्रोन से यहूदा पर सात वर्षों तक शासन करने के बाद, दाऊद इस्राएल की संयुक्त राष्ट्र का राजा बनने जा रहा है। और इसलिए इस पाठ और अनुसरण करने योग्य पाठ में हम इसी ओर बढ़ रहे हैं। लेकिन हम शुरुआत में 2 शमूएल अध्याय 2, 2 शमूएल अध्याय 1 को देखना चाहते हैं।

इसकी शुरुआत इस बात से होती है कि शाऊल की मृत्यु के बाद, दाऊद अमालेकियों को मारकर लौटा और दो दिनों तक सिकलग में रहा। इसलिए, हमें फिर से याद दिलाया गया है कि कोई भी फर्जी खबर कि डेविड ने इजराइल पर फिलिस्तीन की जीत में भाग लिया था, सच नहीं है। यह बिल्कुल वैसा ही है, नकली।

डेविड चला गया था. पलिशितियों ने दाऊद और उसके आदमियों को उनके साथ लड़ने नहीं दिया। उन्हें उनके इरादों पर संदेह था।

और वास्तव में जब दाऊद अमालेकियों से लड़ रहा था, तभी पलिशितियों ने इस्राएलियों को हरा दिया और शाऊल मारा गया। इसलिए, जब शाऊल और उसके लोग मारे गए और इस्राएल पराजित हुआ तब भी दाऊद वहाँ नहीं था। दाऊद ने पलिशती सेना छोड़ दी थी और वह घृणित अमालेकियों से लड़ रहा था।

तीसरे दिन शाऊल की छावनी से एक पुरूष वस्त्र फाड़े हुए, और सिर पर धूल डाले हुए आया। जब वह दाऊद के पास आया, तो उसका सम्मान करने के लिये वह भूमि पर गिर पड़ा। तो, यह व्यक्ति आता है।

वह स्पष्टतः शोक की मुद्रा में है। उसके कपड़े फटे हुए हैं। उसके सिर पर धूल पड़ी है।

और इसलिए, डेविड पूछता है, तुम कहाँ से आए हो? और उस ने उत्तर दिया, मैं इस्राएली छावनी से भाग निकला हूँ। क्या हुआ? डेविड ने पूछा। मुझे बताओ।

उन्होंने उत्तर दिया, वे लोग युद्ध से भाग गये। उनमें से बहुत से लोग गिरकर मर गये और शाऊल और उसका पुत्र योनातन मर गये। दाऊद ने समाचार लाने वाले जवान से कहा, तुझे कैसे मालूम हुआ कि शाऊल और उसका पुत्र योनातन मर गए हैं? डेविड इस रिपोर्ट का सत्यापन चाहते हैं।

और इसलिए, यह युवक कहता है, ठीक है, मैं गिल्बोआ पर्वत पर हूँ। और शाऊल अपने भाले का सहारा लिये हुए रथों और उनके सारथियों का पीछा कर रहा था। और जब उसने मुड़कर मुझे देखा, तो उसने मुझे बुलाया और मैंने कहा, मैं क्या कर सकता हूँ? और उसने मुझसे पूछा, तुम कौन हो? एक अमालेकी, मैंने उत्तर दिया।

फिर उसने मुझसे कहा, यहीं मेरे पास खड़े हो जाओ और मुझे मार डालो। मैं मौत के मुँह में हूँ, लेकिन मैं अभी भी जीवित हूँ। इसलिए, मैं उसके पास खड़ा रहा और उसे मार डाला।

और वैसे, हमने इस बारे में पहले बात की थी। यह हिब्रू में क्रिया रूप है जिसका उपयोग किसी ऐसे व्यक्ति को खत्म करने के लिए किया जाता है जो पहले ही घातक रूप से घायल हो चुका हो। यह वह क्रिया रूप है जिसका उपयोग तब किया गया था जब डेविड ने गोलियथ को अपने गोफन के पत्थर से घातक रूप से घायल करने के बाद उसे तलवार से मार डाला था।

इसलिए, मैं उसके पास खड़ा रहा और उसे मार डाला, उसे खत्म कर दिया, क्योंकि मैं जानता था कि उसके गिरने के बाद, वह जीवित नहीं रह पाएगा। और जो मुकुट उसके सिर पर था, और जो बान्ध उसकी बांह पर था, उसे मैं लेकर यहां अपने प्रभु के पास ले आया हूँ। अब इससे सवाल खड़े होते हैं।

इससे पहले कि हम इस सब पर डेविड की प्रतिक्रिया देखें, यह सवाल उठाता है। क्योंकि 1 शमूएल 31 में जो कुछ हुआ था, उसे याद करो। शाऊल को धनुर्धारियों ने घायल कर दिया था और वह जानता था कि वह मरने वाला है।

वह नहीं चाहता था कि पलिशितियों द्वारा उसे प्रताड़ित किया जाए, इसलिए उसने अपने हथियार ढोने वाले से कहा कि वह उसे अपनी तलवार से मार डाले। कवचधारी ऐसा नहीं करना चाहता था। शाऊल के प्रति बहुत अधिक सम्मान, बस स्वयं ऐसा नहीं कर सका।

और इसलिए, हमें वहां बताया गया है कि शाऊल अपनी ही तलवार से मारा गया और उसने आत्महत्या कर ली। और फिर कवच ढोनेवाले ने वैसा ही किया। खैर, इस अध्याय में हमारी एक अलग कहानी है।

अब वह कहानी कहने वाला बोल रहा था। इस विशेष अध्याय में, यह एक अमालेकी है। और जब भी किसी को धर्मग्रंथ में उद्धृत किया जाता है, तो आपको हमेशा खुद से पूछना होगा कि क्या वह सटीक है? आपको वक्ता की स्थिति और विश्वसनीयता का आकलन करना होगा।

आप यह नहीं मान सकते कि कोई कुछ कहता है, यह सच है। परन्तु यह अमालेकी यह दावा कर रहा है कि शाऊल प्राणघातक रूप से घायल हुआ था, परन्तु मरा नहीं। और उसने उस व्यक्ति से उसे खत्म करने के लिए कहा, और अमालेकी ने ऐसा ही किया।

तो हम इसे कैसे सुलझाएं? कुछ लोग तर्क देंगे कि अनुच्छेदों में सामंजस्य स्थापित करने की आवश्यकता है। 1 सैमुअल 31 एक तरह से सुव्यवस्थित खाता है। शाऊल अपनी ही तलवार से मारा गया और मर गया।

हमें यहां 2 शमूएल 1 में थोड़ा और विवरण मिलता है। हमें पता चलता है कि जब शाऊल अपनी तलवार से गिरा, तब भी वह मरा नहीं था। और इसलिए, इस अमालेकी ने उसे खत्म कर दिया। और इस मामले में, एक धारणा है कि अमालेकी सच कह रहा है।

और यह इसी तरह से खेला गया। बेशक, दूसरा विकल्प यह होगा कि नहीं, शाऊल पहले ही मर चुका था। और अमालेकी दाऊद के साथ मेल मिलाप करने के लिये यह कहानी गढ़ रहा है।

और इसलिए, उसे एहसास हुआ, मेरे पास यहां डेविड के साथ घुलने-मिलने का अवसर है। यदि मैं शाऊल का मुकुट और उसके शाही चिन्ह डेविड के पास ले जाऊं और डेविड के प्रति निष्ठा की शपथ लूं, तो डेविड ऐसा करने के लिए मुझे धन्यवाद देगा और शायद खुश होगा कि मैंने उसके दुश्मन शाऊल को मार डाला। तो मैं ये कहानी लेकर आऊंगा।

मैं निर्माण दृष्टिकोण की ओर झुकता हूं, लेकिन हर कोई ऐसा नहीं करता। कुछ अच्छे टिप्पणीकार कहानियों के संलयन के लिए अधिक तर्क देंगे। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई विरोधाभास है।

मैं यह नहीं कहूंगा कि दो अलग-अलग व्यक्ति हैं, वर्णनकर्ता गलत होगा। मैं कथावाचक के स्थान पर अमालेकी को नहीं चुनूंगा। वर्णनकर्ता कुछ मायनों में सही है।

वह या तो एक सुव्यवस्थित विवरण दे रहा है जो अधिक विस्तार से भरा हुआ है, या यह अमालेकी इसे बना रहा है। किसी भी दर पर, यह स्पष्ट है कि अमालेकी खुद को डेविड के साथ मिलाने की कोशिश कर रहा है। और मुझे लगता है कि उसकी धारणा यह है कि डेविड इससे खुश होगा, और वह शाऊल का शाही प्रतीक चिन्ह उसके पास लाने के लिए मुझे इनाम देगा।

तो आइए देखें डेविड जवाब में क्या कहते हैं। पद 11. सब से पहिले दाऊद और उसके संग के सब पुरूषोंने अपने वस्त्र पकड़कर फाड़ डाले।

उन्होंने शाऊल और उसके पुत्र योनातान और यहोवा की सेना और इस्राएल की जाति के लिये विलाप किया, और रोए, और सांफ तक उपवास किया, क्योंकि वे तलवार से मारे गए थे। डेविड व्यक्तियों के संदर्भ में नहीं सोच रहे हैं। हाँ, शाऊल चला गया।

जोनाथन, जो राजा बनने की कतार में अगला था, वह चला गया है। यह सब उस विनाशकारी हार का हिस्सा है जो हुई। और यह प्रभु की सेना और इस्राएल राष्ट्र है जिसके बारे में लोग अंततः सबसे अधिक चिंतित हैं।

और शाऊल और जोनाथन की मृत्यु उस सब का प्रतीक है। और इसलिए, वे शोक मना रहे हैं और वे रो रहे हैं और वे उपवास कर रहे हैं। क्रियाओं की एक श्रृंखला जो उनके दुःख की गहराई पर जोर देती है।

और यह पुराने नियम में एकमात्र स्थान है जहां इन तीनों क्रियाओं का एक साथ उपयोग किया जाता है। तो, सेना के लिए भावनात्मक रूप से बहुत बड़ी पीड़ा। इसलिए, दाऊद, सबसे पहले, शाऊल, जोनाथन, सेना और राष्ट्र के साथ जो हुआ उसका शोक मनाता है।

और फिर वह रिपोर्ट लाने वाले युवक से कहता है, तुम कहां से हो? उसने उत्तर दिया, वह कहता है कि मैं एक विदेशी और मैलाकाइट का बेटा हूँ। और दाऊद ने उस से पूछा, तू यहोवा के अभिषिक्त को नाश करने के लिये हाथ उठाने से क्यों नहीं डरा? उह ओह। तब दाऊद ने अपने एक पुरूष को बुलाकर कहा, जाकर उसे मार डालो।

इसलिए, उसने उसे मारा और वह मर गया। और दाऊद ने कहा, तेरा खून तेरे ही सिर पर पड़े। जब तू ने कहा, कि मैं ने यहोवा के अभिषिक्त को मार डाला, तब तू ने अपने मुंह से तेरे विरुद्ध गवाही दी।

तो, हम फिर से देखते हैं, दाऊद के मन में शाऊल के लिए इतना बड़ा सम्मान है, कि उसने उसे कभी नहीं मारा होता। प्रभु के अभिषिक्त को मारना अनुचित है। और भले ही यह मैलाकाइट यह कहकर अपना बचाव कर सकता था, मैंने वही किया जो उसने मुझसे कहा था, डेविड का रवैया यह है कि, तुम्हें कोई अधिकार नहीं है।

आपको ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है. यह भगवान का काम है. और तुम यहोवा के अभिषिक्त को मत मारो।

और तुम ने यहोवा और उसके अभिषिक्त के प्रति आदर की कमी दिखाई। और तुम्हें इसकी कीमत अपने जीवन से चुकानी पड़ेगी। तो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि क्या हुआ, अगर यह वास्तव में वैसा ही हुआ जैसा मैलाकाइट ने कहा था, या अगर उसने बस कहानी बनाई, तो यह उसके लिए अच्छा नहीं हुआ।

और उम्मीद है, आप देखेंगे कि यह माफी, यहां डेविड के बचाव में कैसे फिट बैठता है। न केवल जब शाऊल की मृत्यु हुई तब दाऊद युद्ध के मैदान के निकट भी नहीं था, बल्कि जब एक व्यक्ति शाऊल का मुकुट, जो कि एक प्रतीक था, उसके पास लाया, तो उस व्यक्ति ने अपनी जान देकर इसकी कीमत चुकाई क्योंकि उसने शाऊल को मारने का दावा किया था। इसलिए, हम देखते हैं कि शाऊल के प्रति दाऊद की वफादारी यहाँ भी जारी है।

क्योंकि नकली समाचार पक्ष पर, उन्होंने कहा होगा, आप जानते हैं, डेविड ने शाऊल का ताज हासिल किया। उसे वह कैसे मिला? खैर, यह एक कहानी है जो बताती है कि उसे यह कैसे मिला, और उसने उस व्यक्ति को कैसे प्रतिक्रिया दी जो इसे उसके पास लाया था जब उस व्यक्ति ने कहा कि उसने शाऊल को अपना जीवन समाप्त करने के लिए मारा था। और इसलिए उम्मीद है कि आप देख सकते हैं कि यह विवरण डेविड के बचाव में कैसे फिट बैठता है।

शाऊल की मृत्यु के लिए दाऊद किसी भी प्रकार से दोषी नहीं है। और वास्तव में, जब उसने इसके बारे में सुना, तो उसे बहुत शोक हुआ। इसका उन पर जबरदस्त नकारात्मक भावनात्मक प्रभाव पड़ा।

और फिर हमें एक विलाप मिलता है। अध्याय 1 के शेष भाग में, हमें एक विलाप मिलता है जिसे डेविड ने शाऊल और उसके बेटे जोनाथन के बारे में गाया था। और उसने यहूदा के लोगों को भी यह गीत गाने का आदेश दिया।

इसे बो कहा जाता है, इसे केशेत बो कहा जाता है, बो का विलाप। और यह याशर की किताब में लिखा है। काश उस किताब तक हमारी पहुंच होती।

उस खंड में बहुत सारी रोचक जानकारी होगी। लेकिन यह एक किताब में था जिसे इज़राइल ने रखा था जिसमें कुछ गाने शामिल थे। और इस विलाप में, डेविड, यह स्पष्ट है कि वह जश्न नहीं मना रहा है।

वह शाऊल की मृत्यु का जश्न नहीं मना रहा है। वह यह नहीं कह रहा है, आह, आखिरकार, दरवाजा खुला है, और मैं इज़राइल के सिंहासन पर कब्जा करने के लिए तैयार हूँ। मैं अपने भाग्य को संभालने और अपने भाग्य और भगवान के वादे को पूरा करने के लिए तैयार हूँ।

वह बिल्कुल भी जश्न नहीं मना रहा है। और इसलिए, यह बहुत काव्यात्मक है। हे इज़राइल, तुम्हारी ऊंचाइयों पर एक चिकारा मारा गया है।

कैसे शक्तिशालियों का पराभव हुआ। इसे गैथ में नहीं बताएं। इसे फ़िलिस्ती क्षेत्र में प्रसारित न करें। यह एक अनवरत आपदा है। इसे गैथ में नहीं बताएं। अश्कलोन की सड़कों पर इसका प्रचार न करो।

ऐसा न हो कि पलिशियोंकी स्त्रियाँ आनन्दित हों। ऐसा न हो कि खतनारहितों की बेटियाँ आनन्द करें। हमें यह सब प्रसारित करने की आवश्यकता नहीं है।

वह इसी क्रम में आगे बढ़ता है, और श्लोक 22 और 23 में, वह याद करता है कि शाऊल और जोनाथन कितने महान योद्धा थे। उन्हें बहुतों से प्यार और प्रशंसा मिली। मृत्यु में, वे अलग नहीं हुए थे।

वे उकाबों से भी अधिक तेज़, और सिंहों से भी अधिक शक्तिशाली थे। और फिर वह इस्राएल की पुत्रियों को शाऊल के लिये रोने के लिये बुलाता है। और वह श्लोक 25 में फिर से कहता है, युद्ध में शक्तिशाली लोग कैसे गिर गए हैं।

जोनाथन आपकी ऊंचाइयों पर मारा गया है। मेरे भाई, जोनाथन, मैं तुम्हारे लिए दुःखी हूँ। तुम मुझे बहुत प्रिय थे।

और निःसंदेह, हम यह जानते हैं। जोनाथन और डेविड घनिष्ठ मित्र थे। और एक से अधिक अवसरों पर, उनके बीच एक समझौता किया गया था।

चाहे वे पहले के वादों की पुष्टि कर रहे हों, या उन पहले के वादों को पूरक कर रहे हों। उनके बीच एक अनुबंधित रिश्ता था। और वे एक दूसरे के प्रति वफादार थे।

और तब दाऊद कहता है, मेरे प्रति तुम्हारा प्रेम अद्भुत था। मुझे लगता है कि यह अनोखा विचार था। महिलाओं से भी ज्यादा अद्भुत।

खैर, एक आधुनिक दृष्टिकोण है कि डेविड और जोनाथन के बीच किसी प्रकार का समलैंगिक संबंध था। यह हास्यास्पद है। यदि आप पुराने नियम के संदर्भ को समझते हैं, तो इसे कानून में गलत माना जाएगा।

और डेविड और जोनाथन उस तरह के व्यवहार में शामिल नहीं थे। तो, डेविड का यहाँ क्या मतलब है? उसका मतलब यह नहीं है कि जोनाथन के साथ उसका प्रेम उसी प्रकार या विविधता का था जैसा कि महिलाओं के साथ था। मुझे लगता है कि वह जो कह रहा है वह यह है कि उसे जोनाथन से जो प्यार मिला, जो वफादारी और वफादारी थी, उसने महिलाओं के साथ अनुभव किए गए रोमांटिक प्रेम की तुलना में कई मायनों में एक मजबूत बंधन बनाया।

जोनाथन के साथ उसका अनुबंधात्मक रिश्ता अनोखा था। और यह उस किसी भी चीज़ से आगे निकल गया जिसे वह कभी किसी महिला के साथ पूरी तरह से रोमांटिक स्तर पर अनुभव कर सकता था। इसका मतलब यह नहीं है कि प्यार एक जैसा था या एक ही तरह से व्यक्त किया गया था।

यह बस इतना कह रहा है कि जोनाथन से मुझे जो निष्ठा मिली, वह किसी महिला के साथ अनुभव की गई किसी भी चीज़ से कहीं अधिक गहरी और अनोखी थी। तो, शाऊल और जोनाथन मर चुके हैं और चले गये हैं। और हम यहां जो देखते हैं वह यह है कि यह उत्सव का नहीं, बल्कि शोक और विलाप का कारण है।

और हम 1 शमूएल 31 और 2 शमूएल 1 को एक साथ ला सकते हैं और मुख्य विषय को इस तरह बता सकते हैं। प्रभु के विरुद्ध विद्रोह की परिणति अपमानजनक हार में होती है। हम इसे शाऊल के साथ देखते हैं।

लेकिन प्रभु के विद्रोही सेवकों के निधन पर शोक मनाना चाहिए, जश्न नहीं मनाना चाहिए। और हमें ये याद रखना होगा. कभी-कभी ईसाई भटक जाते हैं।

वे चर्च का अपमान करते हैं। और भगवान कभी-कभी उन्हें उनके कार्यों के लिए दंडित करेंगे। कई मामलों में, उन्होंने अन्य लोगों को चोट पहुंचाई होगी।

और उनके पतन का जश्न मनाने का प्रलोभन भी हो सकता है। लेकिन डेविड ने इसे बिल्कुल भी इस तरह से नहीं देखा। शाऊल के पतन से इस्राएल और इस्राएली सेना का अपमान हुआ, और उसने इसे इसी तरह से देखा।

और जब हमारा कोई भाई या बहन गिरता है तो यह कभी जश्न मनाने की बात नहीं होती। यह मसीह के उद्देश्य का अपमान करता है, और यह कुछ ऐसा है जिस पर शोक व्यक्त किया जाना चाहिए और इससे बचा जाना चाहिए। उनके उदाहरण से हर कीमत पर बचा जाना चाहिए।

और इसलिए, एक बार फिर, मुझे लगता है, डेविड हमें इस प्रकार की स्थितियों में अनुसरण करने के लिए एक अच्छा उदाहरण प्रदान करता है। लेकिन, वास्तव में, सिंहासन का द्वार डेविड के लिए खोल दिया गया है। यह अब पूरी तरह खुला है।

और डेविड अब उस स्थिति में है जहां वह वास्तव में अपनी नियति को पूरा कर सकता है। और इसलिए यह अध्याय 2 में घटित होना शुरू होता है। वास्तव में, यह पूरा अगला भाग डेविड के इज़राइल के सिंहासन पर आने के बारे में है। अध्याय 2, श्लोक 1 की शुरुआत से लेकर अध्याय 5, श्लोक 5 तक। हम इसे एक बड़ी इकाई के रूप में देख सकते हैं।

रास्ते में बहुत सारे व्यक्तिगत एपिसोड हैं। लेकिन मैंने इस पूरे खंड का शीर्षक रखा है, सिंहासन तक पहुंचने का मार्ग खून से भरा हुआ है। यह कोई साधारण बात नहीं होगी कि डेविड बस अंदर आएगा और कहेगा, ठीक है, शाऊल चला गया है।

मैं नया राजा हूँ. वहाँ संघर्ष होने वाला है क्योंकि शाऊल के अनुयायी दाऊद को आसानी से स्वीकार नहीं करेंगे। और, वास्तव में, उत्तरी जनजातियाँ डेविड को तुरंत स्वीकार नहीं करने वाली हैं।

उन्होंने स्वयं को शाऊल के साथ जोड़ लिया था। शाऊल के बच्चों में से एक, ईश-बोशेत को उत्तरी जनजातियों के बीच राजा के रूप में स्थापित किया जाने वाला है। और इसलिए, डेविड का सिंहासन कक्ष में आना, सिंहासन पर बैठना और इसराइल का राजा बनना कोई साधारण बात नहीं होगी।

यह एक लंबी और कठिन सड़क होने वाली है। और वह सड़क खून से सनी होने वाली है। रास्ते में कुछ हिंसा होने वाली है।

यदि सैमुअल को पढ़ते समय आपने अभी तक पर्याप्त हिंसा नहीं झेली है, तो और भी बहुत कुछ आने वाला है। यह सिर्फ पतित दुनिया है जिसमें इज़राइल का इतिहास घटित होता है। तो, हम अध्याय 2, श्लोक 1 पर आते हैं, और यह कहता है, समय के साथ दाऊद ने प्रभु से पूछताछ की।

आपको यह आभास नहीं होगा कि डेविड यहां अपनी नियति को पूरा करने की बहुत जल्दी में है। उसने जान लिया है कि उसे प्रभु के समय का इंतजार करना होगा। इस संबंध में लंबे समय तक उसका परीक्षण किया गया है, और वह उस स्थान पर आ गया है जहां मुझे लगता है कि वह प्रभु की प्रतीक्षा करने को तैयार है।

उसने पूछा, क्या मैं यहूदा के किसी नगर में जाऊं? और यहोवा ने कहा, चढ़ जाओ। और दाऊद ने कहा, मैं कहां जाऊं? यहोवा ने हेब्रोन को उत्तर दिया।

और इसलिए, दाऊद अपनी दोनों पत्नियों के साथ वहाँ गया। वह अपने लोगों और उनके परिवारों को भी अपने साथ ले गया, और वे हेब्रोन क्षेत्र और उसके नगरों में बस गये। और तब यहूदा के लोग हेब्रोन में आए, और वहां उन्होंने यहूदा के गोत्र पर राजा के रूप में दाऊद का अभिषेक किया।

यह एकदम सही समझ में आता है। डेविड उनमें से एक है। वह इसी जनजाति से हैं।

और इसलिए, यह स्वाभाविक है कि यहूदा के लोगों के पास शक्ति शून्यता है, जैसा कि यह था। शाऊल चला गया। जोनाथन चला गया है।

वास्तव में इस्राएल का राजा कौन बनने जा रहा है? और यह स्वाभाविक है कि यहूदा के लोग दाऊद की ओर देखेंगे। वे जानते हैं कि दाऊद को प्रभु ने चुना था। वे नियंत्रित नहीं कर सकते कि अन्य जनजातियाँ क्या करती हैं, लेकिन वे गेंद को घुमा सकते हैं।

और इसलिए, मैं समझ सकता हूँ कि वे डेविड के साथ अच्छा व्यवहार क्यों करना चाहेंगे। डेविड उनके गोत्र से है। उसे राजा बनने के लिए चुना गया है।

इसलिए, यह उनका स्वाभाविक निर्णय है। और निस्संदेह, डेविड इसके साथ चलता है क्योंकि यही उसकी नियति है। दाऊद आगे क्या करता है, उसे बताया जाता है कि कैसे याबेश-गिलाद के लोगों ने शाऊल को दफनाया था।

और इसलिए, डेविड उन तक पहुंचने जा रहा है। वे स्पष्टतः शाऊल के वफ़ादार अनुयायी थे। और डेविड उन तक पहुंचने वाला है।



और ऐसा करने की प्रक्रिया में, कुछ चीजें जो डेविड इन अध्यायों में कर रहे होंगे वे कुछ हद तक राजनीतिक प्रतीत होंगी। और कुछ मामलों में, हम उन पर गौर करेंगे, क्योंकि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। यह स्वाभाविक है।

डेविड की नियति राजा बनना है। और उसे इस्राएल के गोत्रों तक पहुंचना चाहिए। प्रभु चाहेंगे कि वह ऐसा करें।

अन्य मामलों में, हम उन पर गौर करेंगे और कहेंगे कि यह कुछ ज्यादा ही राजनीतिक है। यह बहुत आत्म-प्रचारक है, और मुझे पूरा यकीन नहीं है कि प्रभु ने जो किया उसका समर्थन करेंगे। इसलिए, डेविड की तरह, हर जगह उसके चारों ओर हमेशा अस्पष्टता घूमती रहती है।

और आपको उसके कार्यों का मूल्यांकन व्यापक संदर्भ के प्रकाश में करना होगा और भगवान क्या कहते हैं और भगवान उसके लिए क्या इरादा रखते हैं। और कभी-कभी डेविड दूसरों से बेहतर दिखता है। यह इतना सरल है।

वह यहाँ जो कर रहा है उसमें मुझे कुछ भी गलत नहीं दिखता। वह याबेश-गिलाद के उन लोगों तक पहुंचता है जो शाऊल और उसके परिवार के प्रति वफादार हैं। और वह कहता है, यहोवा तुझे आशीर्वाद दे कि तू अपने स्वामी शाऊल को मिट्टी देकर उस पर ऐसी दया दिखा।

इसलिए, मुझे लगता है कि यह डेविड के लिए एक बार फिर प्रदर्शित करने का अवसर है, मैं नहीं चाहता था कि शाऊल मर जाए। मैं किसी भी तरह से उसके पीछे नहीं था। और मैं उन लोगों तक पहुंचूंगा और उनकी सराहना करूंगा जो उसके प्रति वफादार थे।

क्योंकि मैं उसके प्रति वफादार था। मैंने उस पर हाथ उठाने से इनकार कर दिया। प्रभु अब आप पर दया और विश्वासयोग्यता दिखाएं।

और मैं भी तुम पर वैसा ही अनुग्रह करूंगा, क्योंकि तुम ने ऐसा किया है। तो, डेविड कहता है, अरे, आपने शाऊल के लिए जो किया उसके लिए मैं आपकी सराहना करता हूँ। मैं उसके प्रति आपकी निष्ठा की सराहना करता हूँ।

और मैं प्रभु से प्रार्थना कर रहा हूँ कि वह तुम्हें इसके लिए पुरस्कृत करे। आप इसके अधिकारी हैं। अब तो, मजबूत और बहादुर बनो।

शाऊल के लिये तुम्हारा स्वामी मर गया। और यहूदा के लोगों ने अपने ऊपर राजा होने के लिये मेरा अभिषेक किया है। यह ऐसा है मानो दाऊद कह रहा हो, मैं शाऊल के प्रति तुम्हारी वफादारी के लिए तुम्हारी सराहना करता हूँ।

लेकिन हकीकत तो यही है दोस्तों। मैं जानता हूँ कि आप इस पर शोक मना रहे हैं। लेकिन हकीकत यह है कि शाऊल चला गया है।

और यहूदा के लोगों ने फैसला किया है कि मुझे राजा बनना चाहिए। और इसलिए वह शायद उम्मीद कर रहा है कि याबेश-गिलाद के लोग समझेंगे कि, आप जानते हैं, भगवान ने डेविड को अगला राजा बनने के लिए चुना था। इसलिए, डेविड उन तक पहुंच रहा है।

हाँ, इसका एक राजनीतिक आयाम है। अगर मैं शाऊल के कुछ वफादार अनुयायियों तक पहुंच सकता हूँ और उन्हें अपने पक्ष में कर सकता हूँ, तो इससे मुझे मदद मिल सकती है। क्योंकि हमें इजराइल को एकजुट करने की जरूरत है।'

हमें इजराइल को एकजुट करने की जरूरत है। और प्रभु ने मुझे ऐसा करने के लिए चुना है। इसलिए डेविड वहाँ जो कर रहा है उसे मैं नकारात्मक नहीं मानता।

इस बीच नेर का पुत्र अब्नेर, जो शाऊल की सेना का प्रधान है, इस सब में वह कहां टिकेगा? खैर, वह शाऊल के पुत्र ईशबोशेत को पकड़ कर महनैम, जो ट्रांसजॉर्डन है, ले आया था। यह जॉर्डन के पूर्व में है। आप सोच रहे होंगे कि हम राजा को अपने घर मध्य इजराइल में ही कहीं स्थापित क्यों नहीं कर रहे हैं? ऐसा इसलिए है क्योंकि पलिशितियों ने इस्राएल पर काफी हद तक कब्ज़ा कर लिया है।

और उस ने उसको गिलाद, अशूरी, और यिज्नेल, और एप्रैम, बिन्यामीन, और सारे इस्राएल पर भी राजा ठहराया। आधिकारिक तौर पर, ईश-बोशेत को इजराइल का राजा घोषित किया गया है। अब, यह शून्य से यहूदा होगा, क्योंकि यहूदा ने पहले ही डेविड के लिए घोषणा कर दी है।

लेकिन यह बहुत स्पष्ट है कि उसने ट्रांसजॉर्डन में दुकान स्थापित की, क्योंकि पलिशितियों ने उस स्थान पर कब्ज़ा कर लिया है। हम कह सकते हैं कि आप इसराइल के राजा हैं, लेकिन व्यावहारिक रूप से कहें तो अभी तक ऐसा नहीं हो रहा है। शाऊल का पुत्र ईशबोशेत जब इस्राएल पर राज्य करने लगा, तब वह चालीस वर्ष का था, और दो वर्ष तक राज्य करता रहा।

हालाँकि, यहूदा का गोत्र दाऊद के प्रति वफादार रहा। दाऊद जब तक यहूदा पर हेब्रोन में राजा रहा, उसकी अवधि सात वर्ष छः महीने थी। हम निश्चित रूप से निश्चित नहीं हैं कि ईश-बोशेत के दो वर्ष उन सात वर्षों में कहां फिट बैठते हैं।

लेकिन हमें यहां बताया जा रहा है कि डेविड सात साल तक दक्षिण में एकमात्र राजा था। पूरे इस्राएल पर राजा बनने के लिए, उसे थोड़ा इंतजार करना होगा। इस बीच, अब्नेर शाऊल शासन को जारी रखने की कोशिश कर रहा है।

वह ईश-बोशेत को स्थापित करके, मानो एक राजवंश बनाने की कोशिश कर रहा है। शाऊल समर्थक समूह और डेविड समर्थक समूह के बीच कुछ संघर्ष होने वाला है। ऐतिहासिक रूप से, यह उस संघर्ष की वास्तविकता है जो मुझे लगता है कि सैमुअल की पुस्तकों को कई मायनों में डेविड समर्थक बचाव के रूप में समझाती है।

क्योंकि आप देख सकते हैं कि डेविड का विरोध हो रहा है। हर कोई इसे नहीं खरीद रहा है। कुछ जानकारी जो हमें सैमुअल की किताबों से मिल रही है, वह लोगों को यह देखने में मदद करने के लिए डिज़ाइन की गई है कि डेविड वास्तव में चुना गया है।

आपको कार्यक्रम के अनुरूप होना होगा. नेर का पुत्र अब्नेर, शाऊल के पुत्र ईशबोशेत के लोगों समेत महनैम को छोड़कर गिबोन को चला गया। सरूयाह का पुत्र योआब और दाऊद के जन निकलकर गिबोन के पोखरे पर उन से मिले।

यह दिलचस्प है। एक समूह पूल के एक तरफ बैठा है, और दूसरा समूह दूसरी तरफ बैठा है। और तब अब्नेर ने योआब से कहा, आओ, कुछ जवान उठकर हमारे साम्हने आमने-सामने लड़ें।

दरअसल, हिब्रू क्रिया का अनुवाद खेल में किया जा सकता है। मुझे नहीं लगता कि यहां यह सिर्फ खेल है। यह ठीक है, उन्हें ऐसा करने दीजिए।

मुझे लगता है कि यह एक रूप है, यह उस समय के समान है जब गोलियथ ने एक चैंपियन को बाहर भेजने के लिए इज़राइलियों को चुनौती दी थी। एकल मुकाबला. यह एक तरह से इसका एक टीम संस्करण है।

यह ऐसा है मानो हम आपके बारह को हमारे बारह के विरुद्ध करने जा रहे हैं, और जो इसमें प्रबल होगा वह विजेता होगा। हो सकता है वे ऐसा ही सोच रहे हों. लेकिन किसी भी कीमत पर, यह कुछ भी साबित नहीं करता है।

क्योंकि क्या होता है, बिन्यामीन पक्ष के बारह, शाऊल समर्थक बारह अनुयायी, और फिर इस बिंदु पर बारह, या ईश-बोशेत, और बारह जो दाऊद के पक्ष में हैं, वे एक साथ आते हैं, वे जोड़ी बनाते हैं, और तदनुसार पद 16, प्रत्येक व्यक्ति ने अपने प्रतिद्वंद्वी को सिर से पकड़ लिया और अपने खंजर को अपने प्रतिद्वंद्वी के पक्ष में घोंप दिया। तो क्या चल रहा है? मैं इस आदमी का सिर पकड़ रहा हूं और उसे बगल में दबा रहा हूं, लेकिन इस बीच, वह मेरे साथ भी वही कर रहा है, और हम एक-दूसरे को चाकू मार रहे हैं। और वो एक साथ झड़ गये.

और इसलिए, इससे कुछ नहीं होता। मेरा मतलब है, आम तौर पर आपके पास यहां एक ढाल होगी, और आप इस तरफ काम करेंगे, लेकिन जाहिर तौर पर वे तलवारों के साथ एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं, और वे मर जाते हैं, और गिबोन में जगह को हेलकाथ-हाजुरिम कहा जाता था। और मुझे नहीं लगता कि यह संभवतः वहां का मूल वाचन है।

इसका मतलब है चकमक पत्थर का भाग या क्षेत्र, या उसके जैसा कुछ। मेरा मानना है कि हमें संभवतः इस बिंदु पर पाठ में संशोधन करना चाहिए, और मुझे एहसास है कि यह थोड़ा तकनीकी होता जा रहा है। हम पाठ को सिद्धीम में संशोधित कर सकते हैं, क्योंकि दलित और रेश, अक्षर दलित और रेश, डी और आर, यहां शामिल हैं, और वे हिब्रू में आसानी से भ्रमित हो जाते हैं, और मैं आपको इसके उदाहरण दिखा सकता हूं।

इसका मतलब होगा पक्षों का भाग, या पक्षों का क्षेत्र, और उन्होंने एक-दूसरे को अपने पक्षों में छुरा घोंपा। दूसरा विकल्प त्सुरिम को ज़ारिम में बदलना है। वह सिर्फ स्वरो में बदलाव होगा।

इसमें अक्षर बदलना शामिल नहीं होगा। और ज़ारिम को विरोधियों के रूप में समझा जा सकता है। तो, यह सेनानियों का हिस्सा या क्षेत्र होगा।

और ऐसा लगता है कि स्थान के नामकरण के संदर्भ में, पक्ष या लड़ाके यहां फिलंट्स से बेहतर काम करते हैं। लेकिन यह एक तरह का तकनीकी मुद्दा है। हम आगे बढ़ेंगे।

तो, वास्तव में इस टीम युद्ध की स्थिति से कुछ भी नहीं निकलता है, और इसलिए सेनाओं के बीच लड़ाई छिड़ जाती है। उस दिन युद्ध बहुत भयंकर हुआ, और अब्रेर और इस्राएली दाऊद के जनों से हार गए। तो, एक युद्ध छिड़ जाता है, और फिर हमें श्लोक 18 में बताया जाता है, सरूयाह के तीन बेटे हैं।

अब याद करो वह कौन है। वह दाऊद की बहन है, और इसलिए ये लोग दाऊद के भतीजे, योआब, अबीशै और अजाहेल हैं। हम योआब से पहले भी मिल चुके हैं।

स्मरण रहे, अबीशै दाऊद के साथ शाऊल की छावनी में गया, और शाऊल पर भाला चलाना चाहता था। डेविड ने उसे ऐसा नहीं करने दिया। और फिर अजाहेल है।

अजाहेल जंगली चिकारे की तरह तेज़-तर्रार था, इसलिए उसे गति मिल गई। यह उसका बड़ा फायदा है। वह भी जवान है।

हमें पता चला कि वह योआब जितना अनुभवी योद्धा नहीं है। खैर, उसने अब्रेर का पीछा करने का फैसला किया। मुझे लगता है कि अजाहेल अपने लिए नाम कमाना चाहता है।

और इसलिए, वह अब्रेर का पीछा करता है, और वह तेज़ है। और इसलिए, जब वह उसका पीछा कर रहा था तो वह न तो दाहिनी ओर मुड़ा और न ही बायीं ओर। खैर, अब्रेर अपने पीछे देखता है, और उसे अजाहेल दिखाई देता है।

वह कहता है, क्या वह तुम हो, अजाहेल? और वह कहता है, यह है। और अब्रेर ने उस से कहा, दाहिनी या बाईं ओर मुड़ जा। उनमें से एक युवक को पकड़ो और उसके हथियार छीन लो।

आप जानते हैं, अपनी ही उम्र के किसी व्यक्ति से लड़ें। उसके हथियार ले लो। तुम्हारी बहुत महिमा होगी।

परन्तु अजाहेल ने उसका पीछा न छोड़ा। अजाहेल ने निर्णय लिया है, मैं जनरल को बाहर ले जा रहा हूँ। मैं अब्रेर के पीछे जा रहा हूँ।

अब्रेर ने अजाहेल को चिताया, मेरा पीछा करना छोड़। मैं तुम्हें क्यों मार गिराऊं? ऐसा लगता है मानो अब्रेर जानता है कि वह इस युवक को मार सकता है। मैं तुम्हारे भाई योआब का मुँह कैसे देख सकता हूँ? यदि मैं तुम्हें मार डालूँ, तो योआब कहेगा, अपने आकार के किसी से लड़ो।

इसमें कौन सा सम्मान था? वह कहता है कि मैं योआब से निपटना नहीं चाहता। इसमें मेरे लिए कोई सम्मान नहीं होगा। अगर तुम मुझे मारने की कोशिश करोगे तो हो सकता है तुम्हें नुकसान हो, लेकिन मैं तुम्हें मुझे मारने नहीं दूँगा।

और इसलिए, आपको किसी और से लड़ने की ज़रूरत है। लेकिन अजाहेल ने पीछा छोड़ने से इनकार कर दिया। और इसलिए, वह अब्रेर के पीछे आने पर जोर देता है।

और फिर हमें बताया गया कि जैसे ही वह पास आता है, वह इतनी तेज़ी से आ रहा है, यह अपरिहार्य है, वह चिकारे की तरह तेज़ है, कि वह अब्रेर को पकड़ने जा रहा है। अब्रेर एक महान योद्धा है, लेकिन वह इस युवा चिकारे के साथ नहीं टिक सकता। और इसलिए, वह बस आता रहता है और आता रहता है।

और इसलिए, अब्रेर को कुछ करना होगा। और पद 23 में हमें बताया गया है कि अजाहेल ने पीछा छोड़ना अस्वीकार कर दिया। अतः अब्रेर ने अपने भाले का बट, अर्थात् भाले का पिछला भाग, अजाहेल के पेट में मारा।

और भाला उसकी पीठ से आरपार हो गया। और वह वहीं गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। और हर एक मनुष्य उस स्थान पर पहुंच कर रुक गया, जहां अजाहेल गिरकर मर गया था।

यहाँ वास्तव में क्या हो रहा है? तब अब्रेर ने अपने भाले की बट उठाकर वहां रख दी, और अजाहेल उसके आर-पार भाग गया? भाले का कुंद पक्ष? हो सकता है कि पाठ इस बात पर जोर देने की कोशिश कर रहा हो कि अजाहेल कितनी तेज़ी से आ रहा था। लेकिन, लड़के, ऐसा होने के लिए तुम्हें वास्तव में तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसीलिए कुछ लोग कहेंगे कि वह भाले की बट से नहीं टकराया, बल्कि अब्रेर ने भाले को पीछे की ओर घुमाकर मारा।

दूसरे शब्दों में, उसने अपना भाला लिया और पीछे की ओर जोर से प्रहार किया, और इससे पता चल गया कि भाला, अपनी नोक के साथ, उसके अंदर से कैसे गुजरेगा। लेकिन एक और स्पष्टीकरण जिसकी ओर मेरा झुकाव है वह यह है कि भाले, और हम इसे पुरातत्व से जानते हैं, हमें वास्तव में ये आवरण मिले हैं। वे कभी-कभी, भाले के बट वाले सिरे पर, प्रहार करने वाले भाग पर नहीं, जहाँ आपके पास भाले का ब्लेड होता है, भाले की नोक पर, लेकिन वे कभी-कभी कुंद सिरे पर एक धातु का आवरण रख देते थे, और इसमें एक बिंदु होता था आप इसे जमीन में गाड़ सकते हैं।

तो, आप इसे जमीन में गाड़ सकते हैं। आप अपने भाले की नोक को, जिसे आप युद्ध में उपयोग करने जा रहे हैं, ज़मीन पर चिपकाना नहीं चाहेंगे। लेकिन कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि उसके

भाले के अंतिम छोर पर धातु का आवरण लगा हुआ है, और यह वह है, कि वह बस उसी तरह एक आंदोलन करता है, और वह इतना तेज है कि अज़ाहेल को सूली पर चढ़ा सकता है।

तो, किसी तरह, ऐसा हुआ, और असाहेल अब मर गया है। योआब और अबीशै ने अब्रेर का पीछा किया। सूर्य अस्त हो रहा है, हमें श्लोक 24 में बताया गया है।

बिन्यामीन के लोग अब्रेर के पीछे इकट्ठे हो रहे हैं, और वे एक समूह बनाकर एक पहाड़ी की चोटी पर खड़े हो गए। परन्तु तब अब्रेर ने योआब को पुकारा। उसके पास बहुत कुछ है।

क्या तलवार सदा के लिये नाश कर देगी? क्या आपको एहसास नहीं है कि इसका अंत कड़वाहट में होगा? कब तक आप अपने आदमियों को आदेश देंगे कि वे अपने साथी इस्राएलियों का पीछा करना बंद कर दें? और इसलिए, अब्रेर ने युद्धविराम का आह्वान किया। उसके पास बहुत कुछ है। वह लड़ाई हार गया है, और वह केवल युद्धविराम का आह्वान कर रहा है।

योआब पद 27 में उत्तर देता है, परमेश्वर के जीवन की शपथ, यदि तू न बोलता, तो वे मनुष्य भोर तक उनका पीछा करते रहते। अतः योआब ने तुरही फूँकी। सैनिक रुक जाते हैं।

वे अपना पीछा बंद कर देते हैं। लड़ाई खत्म हो जाती है, और हर कोई अपने-अपने रास्ते चला जाता है। आयत 30 में हमें बताया गया है कि अज़ाहेल के अलावा, दाऊद के 19 आदमी लापता पाए गए थे।

परन्तु दाऊद के आदमियों ने अब्रेर के साथ रहनेवाले 360 बिन्यामीनियों को मार डाला। और फिर वे जाते हैं और उन्होंने अज़ाहेल को दफनाया। और आप सोच सकते हैं, ठीक है, ऐसा लगता है मानो योआब लड़ाई जीतकर संतुष्ट है और बस इतना ही।

यह वह नहीं है। जैसा कि हम अध्याय 3 में देखेंगे, योआब अब्रेर के साथ समाप्त नहीं हुआ है। हमें अध्याय 3, पद 1 की शुरुआत में बताया गया है कि शाऊल के घराने और दाऊद के घराने के बीच युद्ध लंबे समय तक चला। तो, इस सात साल की अवधि के भीतर, जहां दाऊद दक्षिण में हेब्रोन में यहूदा पर शासन कर रहा है, शाऊल के घराने और दाऊद के घराने के बीच यह संघर्ष चल रहा है।

इसलिए, जैसा कि मैंने पहले कहा, डेविड का सिंहासन कक्ष में आना, सिंहासन पर बैठना, और वह इसराइल का राजा बन जाना कोई साधारण बात नहीं है। ऐसा नहीं हो रहा है। सिंहासन तक पहुंचने का रास्ता खून से बना है।

और डेविड को अपनी नियति का एहसास होने में काफी समय लगेगा। फिर हमारे पास एक दिलचस्प अंश है। मैंने इसका उल्लेख पहले एक अन्य संदर्भ में किया था जब डेविड ने अबीगैल को अपनी दूसरी पत्नी के रूप में लिया था।

हमारे पास वह है जिसे मैं हरम रिपोर्ट कहता हूँ। इससे पहले, हम डेविड के बारे में पढ़ते रहे हैं कि उसकी लगातार दो पत्नियाँ थीं, अचिनोअम और अबीगैल, जो नाबाल की विधवा थीं। परन्तु अब हम पढ़ते हैं, कि हेब्रोन में दाऊद के पुत्र उत्पन्न हुए। 3:2ff]।

पहला बच्चा अमोन था, जो बाद में कहानी में एक भूमिका निभाने जा रहा था, विशेष रूप से 2 सैमुअल अध्याय 13 में, यिज़्रैल के अहीनोअम का पुत्र।

उसका दूसरा, चिलआब, कार्मेल के नाबाल की विधवा अबीगैल का पुत्र। तो वे दो पत्नियाँ, हम वहाँ उनके नाम देखने की उम्मीद करते हैं, और उनमें से प्रत्येक का एक बच्चा है।

तीसरा अबशालोम, गशूर के राजा तल्मै की बेटी, माका का पुत्र। यह गेशूर है जो ट्रांसजॉर्डन में है। और इस प्रकार दाऊद ने गशूर के राजा तल्मै की बेटी से विवाह किया है। कभी-कभी इस संस्कृति में, आप गठबंधन बनाने के लिए, खुद को राजनीतिक रूप से मजबूत करने के लिए पत्नियों से शादी करेंगे, और ऐसा प्रतीत होता है कि डेविड ने यहाँ क्या किया है।

चौथा, अदोनियाह, हग्गित का पुत्र। चिलीब को छोड़कर ये सभी लोग आने वाली कहानी में अहम भूमिका निभाने वाले हैं। हग्गित का पुत्र।

पाँचवाँ शपत्याह, अबीताल का पुत्र।  
और छठा यिज़्रैल दाऊद की पत्नी एगला का पुत्र।

और ये हेब्रोन में दाऊद से उत्पन्न हुए। अचानक, डेविड की छह पत्नियाँ हो गईं। ये अन्य चार कहाँ से आये? अब उनकी छह पत्नियाँ हैं।

और इसलिए यह सवाल उठता है कि क्या यह कुछ सकारात्मक है? हमें इसे किस प्रकार लेना चाहिए? कुछ लोग इसे सकारात्मक रूप से देखेंगे। डेविड पत्नियाँ ले रहा है। वह अपनी जगह मजबूत कर रहे हैं।

वह अपने शाही दरबार को मजबूत कर रहा है। यह तथ्य कि उसके इतने सारे बच्चे हैं, ईश्वरीय आशीर्वाद का संकेत है। वह उपजाऊ है।

वह बच्चों का पिता बनने में सक्षम है। लेकिन मुझे लगता है कि यह कोई सकारात्मक बात नहीं है। व्यवस्थाविवरण 17 में, याद रखें, राजत्व का आदर्श यह है कि राजा को पत्नियाँ नहीं बढ़ानी चाहिए।

खैर, मुझे लगता है कि रब्बियों ने सवाल पूछा था कि पत्नियों की संख्या बढ़ाने से पहले कितनी पत्नियाँ होती हैं? आप उन क्षेत्रों से एक विशिष्ट प्रश्न की अपेक्षा कर सकते हैं। परन्तु दाऊद पत्नियाँ बढ़ा रहा है। उसके पास दो थे।

शायद हम एक सेकंड का औचित्य सिद्ध कर सकें। लेकिन वह पत्नियाँ बढ़ा रहा है। वह अब छह साल का हो गया है।

और बाद में और भी बहुत कुछ होने वाला है। और मुझे लगता है कि यहां जो हो रहा है वह यह है कि डेविड का शाही दरबार एक हरम और बहुत सारे बच्चों के साथ विशिष्ट प्राचीन निकट पूर्वी शाही दरबार जैसा दिखने लगा है। और मुझे नहीं लगता कि यह अच्छी बात है।

अब, व्यवस्थाविवरण अनुच्छेद में, चिंता यह है कि यदि आप पत्नियों को बढ़ाएंगे, तो वे पत्नियाँ आपका हृदय प्रभु से दूर ले लेंगी। क्योंकि आप विदेशी महिलाओं से शादी करने जा रहे हैं। वे अपने-अपने देवताओं के साथ आने वाले हैं।

जैसा कि हमने बाद में उत्तरी साम्राज्य में पढ़ा था जब भयानक इज़राइली राजा अहाब ने इज़ेबेल से शादी की थी। और वह बाल और अन्य सब वस्तुओं के भविष्यद्वक्ताओं को लाती है। हम इसे सुलैमान के साथ देखते हैं।

वह कई महिलाओं से विवाह करता है, जिनमें विदेशी पत्नियाँ भी शामिल हैं। और वे उसके हृदय को प्रभु से विमुख कर देते हैं, कम से कम प्रभु के प्रति संपूर्ण हृदय की भक्ति से, अन्य देवताओं की ओर। और सुलैमान बहुविवाहवादी और बहुदेववादी बन गया।

जहां तक हम बता सकते हैं, ये सभी स्थानीय लड़कियां हैं। वे दाऊद का हृदय प्रभु से विमुख नहीं कर रहे हैं। तो शायद आप इसके आलोक में इसे उचित ठहरा सकते हैं।

लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता। मुद्दा यह नहीं है कि डेविड मूर्तिपूजक बन रहा है। लेकिन डेविड यहां एक मिसाल कायम कर रहे हैं कि सुलैमान नवीं डिग्री तक जाएगा।

और डेविड एक मिसाल कायम कर रहे हैं। और वह सभी राष्ट्रों की तरह विशिष्ट राजा की तरह दिखने लगा है। मुझे नहीं लगता कि यहां ऐसा कुछ है जिससे यह लगे कि डेविड मूर्तिपूजक बन गया।

लेकिन मुझे नहीं लगता कि ये कोई अच्छा कदम है। और इसलिए, यह उनमें से एक है, मैं उन्हें नींव में दरारें कहता हूं। यह उन अस्पष्टताओं में से एक है जो डेविड को घेरे हुए है।

हाँ, वह यहाँ बहुत सफल हो रहा है। लेकिन इन सबके ठीक बीच में, मुझे यह परेशान करने वाला लगता है। मुझे यह परेशान करने वाला लगता है।

डेविड सामान्य राजा की तरह दिखने लगा है। इससे समस्याएं पैदा हो सकती हैं। और यह बाद में सुलैमान के साथ भी हुआ।

इसलिए, शाऊल के घराने और दाऊद के घराने के बीच युद्ध के दौरान, अब्नेर शाऊल के घराने में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा था। शाऊल की एक उपपत्नी थी जो उसके जीवित रहने पर रिस्पा नाम की थी, जो अइया की बेटी थी। और ईशबोशेत ने अब्नेर पर उसके साथ सोने का दोष लगाया।



तुम मेरे पिता की रखैल के साथ क्यों सोये? यह गंभीर होगा क्योंकि यह अब्नेर का कथन होगा, मैं राजा बनने का इरादा रखता हूँ। मैं पूर्व राजा की उपपत्नी को अपने पास ले जाऊंगा। और इसलिए यह स्वाभाविक है कि ईश-बोशेत इससे परेशान होंगे।

लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि अब्नेर ने ऐसा नहीं किया. यह झूठा आरोप था. ईशबोशेत ने जो कहा उससे अब्नेर बहुत क्रोधित हुआ।

और उस ने उत्तर दिया, क्या मैं आज ही यहूदा के पक्ष में कुत्ते का सिर हूँ? मैं तुम्हारे पिता के घर और उनके परिवार और दोस्तों के प्रति वफादार हूँ। मैंने तुम्हें दाऊद को नहीं सौंपा है। तुम अपने पिता की उपपत्नी के साथ संबंध रखकर मुझ पर विश्वासघात का आरोप लगा रहे हो।

मैं सदैव शाऊल समर्थक एक वफादार व्यक्ति रहा हूँ। और मैं अब भी आपका समर्थन कर रहा हूँ. तौभी अब तुम मुझ पर इस स्त्री से जुड़े अपराध का दोष लगाते हो।

यदि मैं दाऊद के लिये वह न करूँ जो यहोवा ने शपथ खाकर कहा था, तो परमेश्वर अब्नेर से चाहे जितनी कठोरता से व्यवहार करे। अब्नेर जानता है कि यहोवा ने दाऊद से क्या प्रतिज्ञा की है। और अब वह ईशबोशेत से कहता है, मैं राज्य को शाऊल के घराने से छीनूंगा, और दान से लेकर बेशेबा तक, उत्तर से दक्षिण तक, इस्राएल और यहूदा पर दाऊद की राजगद्दी स्थापित करने में सहायता करूंगा।

और ईशबोशेत अब्नेर से डरता है। वह उससे कुछ नहीं कहता. वह उससे डरता है.

तो, अब्नेर ने निर्णय लिया है। यहां उनके सम्मान पर हमला किया गया है. और उसने फैसला किया, मैं डेविड के पास जा रहा हूँ।

मैं डेविड के पास जा रहा हूँ। और इसलिए, वह डेविड के पास जाता है। हम यहां कहानी को सुव्यवस्थित करेंगे।

और मूल रूप से कहता है, मैं आपके साथ एक समझौता करने को तैयार हूँ। और इस्राएलियों के साथ मेरा काफ़ी आकर्षण है। मैं तुम्हें सारा इस्राएल दे सकता हूँ।

और यहीं पर इसे एक तरह का राजनीतिक रंग मिल जाता है। और दाऊद कहता है, मैं तेरे साथ वह वाचा बान्धूंगा। लेकिन मैं आपसे एक चीज़ की माँग करता हूँ।

जब तुम मुझसे मिलने आओ तो जब तक तुम शाऊल की बेटी मीकाएल को न ले आओ, तब तक मेरे सामने मत आना। अब याद रखें, डेविड ने माइकल से शादी की थी। और फिर जब दाऊद को भागना पड़ा, तब शाऊल ने उसे दूसरे पुरूष को दे दिया।

वह गलत था। और ऐसा लगता है जैसे डेविड के पास उस पर कानूनी अधिकार है। दाऊद ने शाऊल के पुत्र ईशबोशेत के पास दूतों से यह कहला भेजा, कि मेरी पत्नी मीकाएल को, जिस से मैं ने एक सौ पलिशियोंकी खलड़ियोंके दाम पर ब्याह किया है, मुझे दे दो।

मैंने भारी कीमत चुकाई. मैंने अपना जीवन दांव पर लगा दिया। मैंने उसके लिए भुगतान किया।

वह मेरी है। और इसलिए, ईश-बोशेथ को इस पर कोई आपत्ति नहीं है। मुझे लगता है कि उसे एहसास है कि डेविड सही है।

इसलिये ईशबोशेत ने आज्ञा दी, और उसे लैश के पुत्र पलतीएल नाम उसके पति से छीन लिया। और यहाँ यह एक तरह की दुखद कहानी है। माइकल ने इस पाल्टियल से खुशी-खुशी शादी कर ली है।

वह डेविड से प्यार करती थी. उसने डेविड को भागने में मदद की, लेकिन उसके पिता ने उसे छोड़ दिया। मेरा मतलब है, इस संस्कृति में उसकी कोई शक्ति नहीं है।

उसके पिता ने उसे इस पाल्टिएल को दे दिया। और उसका पति उसके पीछे-पीछे बाचुरिम तक रोता हुआ चला गया। तो यहाँ ईश-बोशेत के आदमी आते हैं, और वे उसे पल्टिएल से दूर ले जाते हैं।

और आप कल्पना कर सकते हैं कि उसे कैसा महसूस होगा। वह उससे प्यार करता है और उसका पीछा करता है। अब्नेर ने अन्त में उस से कहा, घर लौट जा।

तो, वह वापस चला गया. और इसलिए, सवाल उठता है कि हम यह सब कैसे लें? क्या हमें इसे सकारात्मक तरीके से देखना चाहिए या नकारात्मक तरीके से? मुझे लगता है कि ईशबोशेत से हमें जो प्रतिक्रिया मिली है, उसे देखते हुए मुझे ऐसा लगता है कि डेविड सही हैं। ऐसा करने का उसे कानूनी अधिकार है.

लेकिन फिर भी, क्या उसे ऐसा करने की ज़रूरत थी? और मुझे लगता है कि यह एक राजनीतिक कदम है. आखिरकार, माइकल शाऊल की बेटी है। इस समय डेविड का शाऊल समर्थक गुट बिन्यामीनियों के साथ संघर्ष चल रहा है।

अबनेर ने इस्राएल के गोत्रों को दाऊद को सौंप दिया है। चीजें अच्छी हो रही हैं। लेकिन डेविड माइकल को वापस लाकर अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है, क्योंकि आखिरकार, उसने शाऊल की बेटी से शादी की है।

और इसलिए, यह एक चतुर राजनीतिक कदम है, लेकिन यह बहुत ही असंवेदनशील है। और कुछ विद्वान जिन्होंने इसकी सावधानीपूर्वक जांच की है, उन्होंने यहां उपयोग की जाने वाली कुछ भाषा पर ध्यान केंद्रित किया है। कथावाचक पल्टिएल को अपना पति कहती है।

डेविड माइकल को मेरी पत्नी कहता है, लेकिन वर्णनकर्ता पल्टिएल को उसका पति कहता है मानो डेविड के दृष्टिकोण को चुनौती दे रहा हो। वास्तव में, एक लेखक ने कहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि वर्णनकर्ता दो दृष्टिकोणों के बीच जानबूझकर विरोधाभास पैदा कर रहा है, और उनमें

से एक के प्रति सहानुभूति प्रकट कर रहा है। नवल के विपरीत, जिसे अपमानित किया गया है, पाल्टिएल को अपमानित किया गया है।

वह अपनी पत्नी से गहराई से जुड़ा हुआ है। उसका अपमान उसके नियंत्रण से परे ताकतों का शिकार बनने का परिणाम है। वह डेविड की शक्ति का शिकार है।

कुछ लोगों ने बताया है कि भले ही डेविड यहीं पर है, लेकिन एक पूर्वाभास चल रहा है क्योंकि बाद में डेविड 2 शमूएल 11 में राजा के रूप में अपनी शक्ति का प्रयोग ऊरिय्याह की पत्नी बथशेबा को चुराने के लिए करने जा रहा है। और उस मामले में, डेविड स्पष्ट रूप से गलत है। वह न केवल व्यभिचार करता है, बल्कि फिर हत्या भी करता है।

और इसलिए यहां डेविड का पूर्वाभास हो सकता है जो माइकल को गरीब पाल्टिएल से वापस ले जाता है और वह बथशेबा के साथ क्या करने जा रहा है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि इसे यहां सकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। मुझे लगता है कि डेविड अपनी स्थिति मजबूत करने के प्रयास में अब्रेर के साथ मिलकर राजनीतिक खेल खेल रहे हैं।

खैर, अब्रेर इस्राएल के पुरनियों से बातचीत करता है, और वह कहता है, तुम कुछ समय से दाऊद को अपना राजा बनाना चाहते थे। तो, हमें पता चला कि वे डेविड की ओर झुक रहे हैं। तो अब, यह करो।

क्योंकि यहोवा ने दाऊद से प्रतिज्ञा की थी, कि मैं अपने दास दाऊद के द्वारा अपनी प्रजा इस्राएल को पलिशियों और उनके सब शत्रुओं के हाथ से छुड़ाऊंगा। हमारे पास उन पंक्तियों के अनुरूप कोई सटीक उद्धरण नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सटीक रूप से दर्शाता है कि प्रभु डेविड के माध्यम से क्या करना चाहते हैं। और इसलिए, अब्रेर राज्य को दाऊद को सौंपने के लिए तैयार है।

वह बिन्यामीनियों से बात करता है, और फिर वह हेब्रोन जाकर दाऊद को वह सब कुछ बताता है जो इस्राएल और बिन्यामीन का पूरा गोत्र करना चाहता था। और इसलिथे वह आता है, और दाऊद ने उसके लिथे जेवनार तैयार की, और अब्रेर ने कहा, मैं जाकर आपके प्रभु राजा के लिथे सारे इस्राएल को इकट्ठा करूंगा, कि वे तेरे साथ वाचा बान्धें, और तू उन सब पर शासन कर सकता है जो तेरा हृदय चाहता है। तो, अब्रेर बदल गया है।

वह डेविड का वफादार बन गया है। वह अब दाऊद को अपना प्रभु, अपना राजा कह रहा है। वह चाहता है कि इस्राएल दाऊद के साथ वाचा बाँधे।

यहां सब कुछ सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ता दिख रहा है। लेकिन फिर कुछ घटित होता है। तभी दाऊद के आदमी और योआब छापा मारकर लौटे।

उनके पास लूट का बहुत सारा माल है। अब्रेर अब दाऊद के साथ नहीं था। उसे डेविड ने भेज दिया है।

वह शांति से चला गया है, और यह महत्वपूर्ण है। युद्ध खत्म हो गया है। यह शांति का समय है।

और योआब और उसके साथ के सभी सैनिक आए, और उसे बताया गया कि अब्रेर वहां था और राजा ने उसे विदा किया, और वह कुशल से चला गया। और जोआब और वह कहानी में एक अधिक प्रमुख व्यक्ति बनने जा रहे हैं, वह डेविड के पास जाता है, और वह हमेशा डेविड के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखता है क्योंकि उसकी स्थिति डेविड से जुड़ी होती है। यदि दाऊद मजबूत है, तो योआब की स्थिति भी मजबूत होगी।

और वह कहता है, तुमने क्या किया? देखो, अब्रेर तुम्हारे पास आया। तुमने उसे जाने क्यों दिया? अब वह चला गया है. आप अब्रेर को जानते हैं।

वह आपको धोखा देने, आपकी हरकतों का निरीक्षण करने और आप जो कुछ भी कर रहे हैं उसका पता लगाने आया था, और मुझे लगता है कि इसका कोई आधार नहीं है। यदि हम अब तक की कहानी पढ़ रहे हैं, तो अब्रेर ईमानदारी से डेविड के पक्ष में प्रतीत होता है। दरअसल, हमारा भी एक मकसद है।

वह ईश-बोशेथ पर क्रोधित है। इसलिए, मैं नहीं मानता कि योआब इस मूल्यांकन में सही है, हालाँकि मैं देख सकता हूँ कि इतिहास को देखते हुए, वह ऐसा कुछ क्यों कहेगा। वह गलत है।

और इसलिए, योआब ने दाऊद को छोड़ दिया, और उसने अब्रेर के लिए दूत भेजे। और वे अब्रेर को वापस ले आये। लेकिन श्लोक 26 के अंत पर ध्यान दें।

डेविड को यह पता नहीं था. कथावाचक इसे स्पष्ट कर रहा है। दाऊद ने संपर्क किया है, और वह बिन्यामीनियों और अब्रेर के साथ शांति चाहता है।

और दाऊद नहीं जानता कि योआब यहाँ क्या कर रहा है। तो झूठी खबरें कह सकती हैं, डेविड ने ऐसा करने के लिए योआब को भेजा। नहीं, नहीं, नहीं।

सच तो यह है कि दाऊद को यह भी नहीं पता था कि योआब क्या कर रहा है। तो, अब्रेर वापस आता है। और योआब उसे एक भीतरी कोठरी में ले गया, मानो उस से एकान्त में बातें कर रहा हो।

और फिर हमें बताया गया है कि योआब ने अपने भाई अज़ाहेल के खून का बदला लेने के लिए इसे अलग नहीं किया है। हालाँकि उसने पहले अवसर पर अब्रेर का पीछा करना बंद कर दिया था, फिर भी उसने इसे अलग नहीं रखा है। उसने उसके पेट में चाकू घोंप दिया और वह मर गया।

इसलिए, योआब ने बहुत ही अनुचित समय पर अब्रेर की हत्या कर दी, जैसे अब्रेर राज्य को दाऊद को सौंपने के लिए तैयार है। योआब ऐसा करता है। बाद में, जब डेविड को इसके बारे में पता चलेगा, तो वह क्या प्रतिक्रिया देगा? डेविड को सभी को यह स्पष्ट करना होगा कि वह इस सब के पीछे नहीं है।

अगर ऐसा लगता है कि डेविड यहां अत्यधिक राजनीतिक हो रहे हैं, तो उन्हें लगभग यही करना होगा। जोआब ने जो किया है उससे उसे खुद को दूर रखना होगा। वह कहता है कि नायर के पुत्र अब्नेर के खून के विषय में मैं और मेरा राज्य प्रभु के सामने सदैव निर्दोष हैं।

उसका खून योआब और उसके सारे परिवार के सिर पर गिरे। वह योआब को शाप देता है। और एक अभिशाप मूल रूप से भगवान से अपराधी पर न्याय लाने के लिए कह रहा है।

हो सकता है कि योआब का परिवार कभी किसी ऐसे व्यक्ति से रहित न हो जिसे घाव या कुष्ठ रोग हो, जो बैसाखी का सहारा लेता हो, तलवार से गिर जाता हो, या जिसके पास भोजन की कमी हो। और फिर पद 30, योआब और उसके भाई अबीशै ने अब्नेर की हत्या कर दी क्योंकि उसने उनके भाई अजाहेल को मार डाला था। पहले, यह वास्तव में योआब था जिसने इसे किया था, लेकिन अबीशै किसी तरह से इसमें सहयोगी है।

तब दाऊद ने योआब से कहा, आपके वस्त्र फाड़, टाट बान्ध, और अब्नेर के साम्हने विलाप करता हुआ चल। हम राजकीय अंत्येष्टि करने जा रहे हैं, और आपने जो किया है उसके लिए आप शोक में वहीं रहेंगे। और दाऊद बियर और सन्दूक के पीछे चलता है, और उन्होंने अब्नेर को हेब्रोन में मिट्टी दी।

और राजा अब्नेर की कब्र पर ऊंचे स्वर से रो रहा है, और सारी प्रजा भी रो रही है। और फिर डेविड, जो संगीत और गीत लेखन में बहुत अच्छा है, अब्नेर के लिए एक विलाप गाता है। क्या अब्नेर को अधर्मियों की तरह मरना चाहिए था? तुम्हारे हाथ बंधे नहीं थे, तुम्हारे पैरों में बेड़ियाँ नहीं थीं, तुम ऐसे गिरे जैसे कोई दुष्टों के सामने गिरता है।

और इसलिए, वह फिर से योआब को दुष्टों की भूमिका में ले रहा है। और इसलिए, डेविड यह स्पष्ट करने के लिए अपने रास्ते से हट रहा है कि इसमें उसकी कोई भूमिका नहीं थी। और सभी लोग रोते हैं।

और उन सब ने आकर दाऊद से बिनती की, कि दिन रहते ही कुछ खा ले। और दाऊद ने शपथ खाई। अगर मैं सूरज ढलने से पहले रोटी या किसी और चीज का स्वाद चखूं, तो भगवान मेरे साथ व्यवहार करें, चाहे वह कितनी ही गंभीर स्थिति में क्यों न हो।

और सभी लोग यह देख रहे हैं, और डेविड जो कुछ भी कर रहा है उससे वे प्रसन्न हैं। और मुझे लगता है कि उन्हें एहसास है, लोग और सभी इस्राएल जानते थे कि नेर के पुत्र अब्नेर की हत्या में राजा का कोई हिस्सा नहीं था। और इसलिए यहां केवल एक तरह की समीक्षा के लिए, कहानी का यह भाग डेविड के बचाव के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि अब्नेर ने जो किया वह इस सब को खतरे में डाल सकता है।

लेकिन डेविड अपनी बेगुनाही का विरोध कर रहा है। सबसे पहले, वर्णनकर्ता हमें बता रहा है कि उसे इसके बारे में कुछ भी नहीं पता था। डेविड अपनी बेगुनाही का विरोध करता है।

वह योआब और अबीशै को श्राप देता है। उसने योआब सहित सभी को अब्रेर के लिए विलाप करने का आदेश दिया। वह राज्य-प्रायोजित अंतिम संस्कार जुलूस का नेतृत्व करता है।

वह एक विलाप गाता है. वह उपवास करता है. और फिर वह अच्छे उपाय के रूप में योआब पर एक और शाप डालता है।

यदि आप श्लोक 38 और 39 में जाएँ, तो राजा ने अपने आदमियों से कहा, क्या तुम नहीं जानते, कि आज इस्राएल में एक सेनापति और एक महान् पुरुष मारा गया है? इसलिए, अब्रेर के बारे में उनकी राय बहुत ऊँची है। अब्रेर ने इज़राइल के लिए जीत हासिल की है। और आज, यद्यपि मैं अभिषिक्त राजा हूँ, फिर भी मैं कमज़ोर हूँ।

और सरूयाह के ये पुत्र, मेरे भतीजे, वे मेरे लिए बहुत शक्तिशाली हैं। यहोवा दुष्ट को उसके बुरे कामों के अनुसार बदला दे। और यह सतह पर अच्छा लगता है।

डेविड खुद को इन लोगों से दूर कर रहा है। और वह प्रतिशोध पूरा करने के लिए प्रभु की ओर देख रहा है। और यह एक अच्छी बात हो सकती है.

लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसे सकारात्मक रूप से देखा गया है। मुझे लगता है कि डेविड यहां असफल हो रहे हैं। वह न्याय दिलाने में असफल हो रहे हैं।

और राजा के रूप में यही उसका काम है। योआब एक हत्यारा है. और जब कोई हत्यारा होता है, तो राजा के पास उसके बारे में कुछ करने का ईश्वर के अधीन अधिकार होता है।

वह क्षेत्र में न्याय नहीं ला रहा है। वह अमालेकी को मारने में बहुत तेज है। जब अमालेकी कहता है, मैं ने यहोवा के अभिषिक्त पर हाथ उठाया, तब दाऊद ने कहा, तुझे ऐसा न करना चाहिए था।

वह ऐसा करने में बहुत तेज है. और वास्तव में, अध्याय 4 में, हम उसे देखने जा रहे हैं। वह उन लोगों पर निर्णय लाने में बहुत तेज है जो ईश-बोशेथ की हत्या करने जा रहे हैं।

लेकिन जब योआब शामिल होता है, जब यह परिवार होता है, तो उसके लिए और भी कठिन समय होता है। और इससे उसे बाद में परेशानी होने वाली है जब अमोन अपनी सौतेली बहन तामार के साथ बलात्कार करता है। और दाऊद इसके बारे में अमोन से परेशान होने के अलावा कुछ नहीं करता।

अबशालोम तामार के पूर्ण भाई को देख रहा होगा। और वह स्थिति को देखता है, और मुझे लगता है कि वह खुद से कहता है, अगर मेरे पिता इस बारे में कुछ नहीं करने जा रहे हैं, तो मुझे करना होगा। मुझे इसके बारे में कुछ करना होगा।

और वह करता है. वह अमोन की हत्या कर देता है। और फिर अबशालोम बाद में बाहर जाएगा और अपने आप को इस्राएल के सामने ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करेगा जिसे न्याय की

परवाह है, मानो कह रहा हो, मेरे पिता को इसकी परवाह नहीं है, इसलिए मुझे वास्तव में तुम्हारा राजा होना चाहिए।

तो, इस संबंध में डेविड की विफलता परेशानी का कारण बनने वाली है। यह वास्तव में अबशालोम के लिए अपने ही पिता के खिलाफ विद्रोह करने के लिए उत्प्रेरक बनने जा रहा है। यह अबशालोम जो करेगा उसे उचित ठहराने के लिए नहीं है।

हम उसे उचित समय पर कवर करेंगे। तो, मुझे लगता है कि यहाँ एक समस्या है। यह नींव में दरार है।

डेविड न्याय को उस तरह बढ़ावा नहीं दे रहे हैं जैसा उन्हें करना चाहिए। मुझे नहीं पता। हो सकता है कि वह अंदर ही अंदर सोच रहा हो, आप जानते हैं, अपनी पीठ को ढकने के लिए एक योआब, एक अबीशै का होना बहुत अच्छा है।

लेकिन वह इस बारे में कुछ नहीं करते। और कुछ लोगों ने योआब का बचाव करने का प्रयास किया है। वे कहते हैं, अच्छा, यह युद्ध का समय है।

नहीं, यह शांति का समय है। पाठ में ऐसा कहा गया है। और बाद में दाऊद इस विषय में बोलने वाला है, और वह कहने वाला है कि योआब ने शान्ति के समय में अब्नेर को मार डाला।

कुछ लोग कहेंगे, ठीक है, शायद यह रक्त प्रतिशोध का नियम है। परन्तु अज़ाहेल युद्ध में मारा गया। वह युद्ध में मारा गया।

और इस प्रकार अब्नेर को दोषी ठहराया जाएगा, अब्नेर दोषी नहीं है। उसने युद्ध में एक आदमी को मार डाला। यह कोई हत्या या हत्या की स्थिति नहीं है।

और यहां तक कि डेविड, डेविड भी योआब को श्राप नहीं दे रहा होता अगर उसने यह नहीं सोचा होता कि उसने कुछ गलत किया है। तो, आप इससे बच नहीं सकते। योआब एक हत्यारा है, और दाऊद इसके बारे में कुछ नहीं करता।

और मुझे लगता है कि यह समस्याग्रस्त है। खैर, जैसे ही हम अध्याय 4 और फिर अध्याय 5 में जाते हैं, हम सिंहासन तक पहुंचने की राह पर चलते रहेंगे। और फिर हम देखेंगे कि अध्याय 6 में डेविड ने यरूशलेम को इज़राइल में पूजा के केंद्र के रूप में स्थापित किया था। लेकिन हम अपने अगले पाठ में उन अध्यायों को देखेंगे।

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह 2 सैमुअल 1-3 पर सत्र 17 है। इसे गथ, अध्याय 1 में न बताएं, सिंहासन का मार्ग रक्त से प्रशस्त है, अध्याय 2 और 3।